सोमवार
21 मार्च 2022

पृष्ठ 4
टीवी देखते वक्त स्नैक्स का सेवन आपके लिए है खतरनाक

पृष्ठ 5
सिनेमा में एक्शन को अगले लेवल तक ले गए अक्षय कुमार : विद्युत जामवाल

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 53
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं।

–सत्य साईं बाबा

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

धामी फिर बने सूबे के सरदार

विशेष संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने एक बार फिर कार्यवाहक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनाया गया है। केंद्रीय पर्यवेक्षक के रुप में आए राजनाथ सिंह और मीनाक्षी लेखी की मौजूदगी में उनके नाम का प्रस्ताव विधानमंडल दल की बैठक में लाया गया जिसका अनुमोदन सभी विधायकों द्वारा किया गया।

उनके चुनाव हारने के बाद भी इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि हाईकमान उन्हें ही दोबारा सरकार चलाने का मौका देंगे। अब विधानमंडल दल का नेता चुने जाने के बाद यह साफ हो गया है कि पुष्कर सिंह धामी राज्य के 12वें मुख्यमंत्री होंगे। संभवत: वह अभी आज ही राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। नई सरकार का 23 मार्च को परेड ग्राउंड में होगा शपथग्रहण। इससे पूर्व जौली ग्रांट से राजनाथ सिंह ने एक होटल पहुंचकर धामी, सतपाल महाराज, डॉ निशंक सहित तमाम सांसद व विधायकों के साथ बैठक की। उनके साथ प्रदेश प्रभारी प्रह्लाद जोशी भी मौजूद थे।

यह उल्लेखनीय है कि पुष्कर सिंह धामी के चुनाव हारने के बाद नए मुख्यमंत्री के लिए जिस तरह की लाबिंग शुरू हुई एक के बाद एक नए दावेदार का नाम भावी मुख्यमंत्री की सूची में जुड़ता चला गया। चुनाव जीत कर आए विधायकों में से सतपाल महाराज से लेकर धन सिंह रावत, मदन कौशिक से लेकर रितु खंडूरी व रेखा आर्य सहित तमाम विधायकों के नाम चर्चाओं में रहे। वहीं केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट से लेकर पूर्व सीएम डॉ रमेश पोखरियाल निशंक व अनिल बलूनी तक के नामों पर चर्चा लगातार जारी रही। भले ही पुष्कर सिंह धामी चुनाव हार गए हो लेकिन उनका नाम इस दौड़ में सबसे आगे रहा। जीत कर आए विधायकों में से 6 ऐसे विधायक है जो पुष्कर सिंह धामी के लिए अपनी विधानसभा सीट खाली करने की पेशकश कर चुके थे। भावी प्रत्याशियों द्वारा अपनी लाबिंग में कोई कमी नहीं छोड़ी गई थी यह नेता लगातार केंद्रीय नेताओं से संपर्क साधते देखे गए।

●चुना गया विधानमंडल दल का नेता
●23 मार्च को होगा शपथ ग्रहण

उत्तराखंड में 14 फरवरी को दूसरे चरण के साथ सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए एक साथ मतदान हुआ था जिसका परिणाम 10 मार्च को आया था। भाजपा ने 47 सीटों पर जीत दर्ज कर लगातार राज्य में दूसरी बार सरकार बनाने का इतिहास तो रच डाला लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। जिसके कारण नए मुख्यमंत्री के चुनाव में उलझी भाजपा को इसे सुलझाने में पूरे 10 दिन का समय लगा। कई दौर की बैठकों और चिंतन-मंथन के बाद हाईकमान ने सूबे के मुखिया का नाम तय किया और इसकी संवैधानिक औपचारिकताएं पूरी कराने की जिम्मेवारी पर्यवेक्षक के तौर पर भेजे गए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मीनाक्षी लेखी को सौंपी गई। जिन्होंने आज विध

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

किशोर ने गढ़वाली व रितु ने संस्कृत में ली शपथ

विशेष संवाददाता

देहरादून। लंबे इंतजार के बाद उत्तराखंड में आज सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। आज सुबह 11 बजे विधानसभा भवन में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने पहले प्रोटेम स्पीकर बंशीधर भगत को शपथ दिलाई गई इसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने नवनिर्वाचित विधायकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

विधानसभा में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सबसे पहले हरिद्वार ग्रामीण से चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बनी पूर्व सीएम हरीश रावत की बेटी अनुपमा रावत को शपथ दिलाई गई। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने गढ़वाली में तथा कोटद्वार विधायक रितु खंडूरी ने संस्कृत में शपथ ग्रहण की। इस दौरान निवर्तमान मंत्री रेखा आर्य और धन सिंह रावत, गणेश जोशी, सविता कपूर, मदन कौशिक, सतपाल महाराज, सरिता आर्य, प्रदीप नैनवाल सहित तमाम विधायकों ने शपथ ग्रहण की। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड की 70 सदस्यीय विधानसभा में 47 विधायक भाजपा, 19 विधायक कांग्रेस, दो बसपा और दो निर्दलीय

❑प्रोटेम स्पीकर ने दिलाई विधायकों को शपथ

विधायक हैं। आज अधिकांश विधायक शपथ ले चुके हैं आज अगर कोई विधायक शपथ नहीं ले पाएगा तो वह बाद में भी शपथ ले सकता है इस दौरान कार्यवाहक सीएम पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद थे। इस अवसर पर कपकोट से पहली बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे सुरेश गड़िया ने कहा कि अपने क्षेत्र के विकास के लिए जो कुछ भी हो सकता है वह करने की कोशिश करूंगा सुरेश गड़िया वर्तमान विधायकों में सबसे कम उम्र के हैं। डीडीहाट से चुनाव जीतने वाले विधायक बिशन सिंह चुफाल ने कहा कि आज विधानमंडल दल की बैठक में हो जाएगा सीएम पर फैसला। शपथ ग्रहण करने के बाद पूर्व नेता

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

चीन में बोइंग 737 विमान हुआ क्रैश, 133 यात्री थे सवार

बीजिंग। चीन की ईस्टर्न एयरलाइंस का विमान बोइंग ७३७ हादसे का शिकार हो गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इस प्लेन में १३३ लोग सवार थे । हालांकि अभी किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं आई है । हादसा दक्षिण चीन में हुआ है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक चीन का बोइंग ७३७ कन्मिंग से गुआंगज़ौ की तरफ जा रहा था। यह हादसा गुआंग्शी क्षेत्र में हुआ और इसकी वजह से वहां पहाड़ों में भी आग की लपटें दिखाई दीं। चीन के सरकारी चैनल सीसीटीवी ने बताया है कि विमान गुआंग्शी क्षेत्र के वूझोउ शहर के पास ग्रामीण इलाके में क्रैश हुआ। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होते ही आग का बड़ा गुबार देखा गया। चीनी मीडिया चैनल ने कहा कि बचाव दल को मौके पर भेजा गया है। बता दें कि दो इंजन वाला बोइंग ७३७ छोटी एवं मध्यम दूरी की उड़ानों के लिए दुनिया के सबसे लोकप्रिय विमानों में से एक है। हादसा किस वजह से हुआ, यह अभी स्पष्ट नहीं है। चाइना ईस्टर्न की ओर से कई तरह के सामान्य विमान संचालित किए जाते हैं, जिसमें ७३७–८०० और ७३७ मैक्स शामिल है। दो घातक हादसों के बाद ७३७ मैक्स विमानों का संचालन रोक दिया गया था। चीनी विमान नियामक के मंजूरी देने के बाद पिछले साल से इन विमानों का पुनः परिचालन शुरू हुआ।

भारत में 24 घंटे में कोरोना वायरस के 1549 नए केस आए, संक्रमण से 31 और मरीजों की हुई मौत

नई दिल्ली । भारत में एक दिन में कोरोना वायरस के १,५४६ नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या ४,३०,०६,३६० हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर २५,१०६ रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को सुबह ८ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, ३१ और मरीजों के वायरस से जान गंवाने के बाद इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या ५,१६,५१० पर पहुंच गई है।

भारत में अभी तक कुल ७८.३० करोड़ नमूनों की जांच हो चुकी है।

आंकड़ों के मुताबिक, इस महामारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर ४,२४,६७,७७४ हो गई है जबकि मृत्यु दर १.२० प्रतिशत दर्ज की गई। देशव्यापी कोविड–१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक १८१.२४ करोड़ खुराकें दी गई हैं।

उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का ०.०६ प्रतिशत है जबकि वायरस से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर ६८.७४ प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, २४ घंटों में वायरस के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १,१३४ मामलों की कमी दर्ज की गई है। संक्रमण की दैनिक दर ०.४० प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर ०.४० प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले २४ घंटों में कोरोना का पता लगाने के लिए ३,८४,४६६ नमूनों की जांच की गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

कांग्रेस का विचार मंथन

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेसी नेता हैरान परेशान हैं सभी राज्यों में उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब जहां उसकी सरकार थी वहां तो उसकी हार हुई ही है साथ ही मणिपुर, उत्तराखंड व गोवा में उसे आशातीत परिणाम नहीं मिल सके। उत्तराखंड में उसका सरकार बनाने का सपना ही नहीं टूटा है बल्कि अब उसका आगे का सफर और भी मुश्किल हो गया है। जहां तक उत्तर प्रदेश की बात है वहां उसका आगे बढ़ने का कोई अवसर नहीं दिख रहा है। दो दशक पूर्व शुरू हुआ अवनति का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस हार के बाद कांग्रेस में खलबली का माहौल है। दिल्ली में तमाम दिग्गज इस हार को लेकर एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं तथा राष्ट्रीय संगठन में बड़े फेरबदल की मांग कर रहे हैं, वहीं तमाम राज्यों में इस हार को लेकर इस्तीफे मांगने और कुर्ता घसीटन जारी है। आज से उत्तराखंड में कांग्रेसियों का विचार मंथन होने जा रहा है जिसमें हार के कारणों पर चर्चा की बात की जा रही है। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस नेता इस विचार मंथन से हार के उन कारणों तक पहुंच पाएंगे? जिनके कारण हार हुई है? ऐसा नहीं है कि कांग्रेसी नेता जानते नहीं हैं कि पार्टी की इस दुर्दशा का कारण क्या है? वह जानते तो है लेकिन उसे मानने को तैयार नहीं होते हैं। कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी समस्या की वजह है पार्टी द्वारा दूसरी और तीसरी पंक्ति के नेताओं और कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका न दिया जाना। पार्टी ने अपनी दूसरी और तीसरी पंक्ति को तैयार ही नहीं होने दिया जो बड़े नेता कहे जाते हैं वह अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए अपने से छोटे नेताओं और कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल सिर्फ अपनी गुटबाजी के लिए करते हैं न कि उन्हें आने वाले कल का नेता बनाने के लिए। पार्टी के लिए काम करने वाले नेता और कार्यकर्ताओं को जब आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया जाता है तो उनकी हताशा पार्टी की हार का कारण बन जाती है। कांग्रेस का सांगठनिक ढांचा इस कदर कमजोर हो चुका है कि जिला, तहसील और ब्लॉक से लेकर पंचायत स्तर तक पहुंचते-पहुंचते वह शून्य स्तर पर पहुंच चुका है। पार्टी में युवा नेताओं और कार्यकर्ताओं की कोई अहमियत ही नहीं रह गई है। यही कारण है कि युवा नेताओं का कांग्रेस से मोहभंग होता जा रहा है और वह पार्टी छोड़ कर भाग रहे हैं। कांग्रेस ने समय के साथ पार्टी को तकनीकी स्तर पर मजबूत बनाने का प्रयास नहीं किया है। सोशल मीडिया, फेसबुक और ट्विटर के सत्ता पर दुरुपयोग का आरोप लगाने और लोकतंत्र के लिए इसे घातक बताने वाली कांग्रेस ने कभी खुद इसकी शक्तियों को क्यों नहीं पहचाना। कांग्रेस भले ही इसका दुरुपयोग नहीं करती लेकिन वह इसका उपयोग तो कर ही सकती थी। कांग्रेसियों की सोच रही है कि कांग्रेस जब भी नीचे गिरी तब तब और मजबूत होकर ऊपर उठी है अगर यही ठीक है तो फिर कांग्रेसी बैठे रहे इसी के इंतजार में उन्हें कुछ भी करने की जरूरत नहीं है क्योंकि कांग्रेस को तो फिर से उठने का वरदान प्राप्त है।

एन बीरेन सिंह ने लगातार दूसरी बार ली मणिपुर के मुख्यमंत्री पद की शपथ

इम्फाल। एन बीरेन सिंह ने आज मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर लगातार दूसरी बार शपथ ली। उन्हें राज्यपाल एल गणेशन ने शपथ दिलाई। इस मौके पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। एन बीरेन सिंह का मुख्यमंत्री के तौर पर यह लगातार दूसरा कार्यकाल है। एक दिन पहले ही एन बीरेन सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था।

इससे पहले रविवार को इंफाल में मणिपुर भाजपा विधायक दल की बैठक में एन बीरेन सिंह को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। बीजेपी विधायक दल की बैठक में केन्द्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू भी शामिल हुए थे। इस मौके पर केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेन्द्र यादव, बीजेपी के राज्यसभा सदस्य लैशेम्बा सनाजाउबा और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा भी मौजूद थे।

शपथ के बाद मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि, मेरी सरकार का पहला कदम इसे भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाना होगा। मैं राज्य से भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए दिन–रात काम करूंगा। अगला कदम राज्य से किसी भी तरह के नशीली दवाओं से संबंधित मामले को खत्म करना होगा। तीसरा, मैं यह देखने की कोशिश करूंगा कि राज्य में सक्रिय सभी विद्रोहियों को बातचीत की मेज पर लाया जाए और संवाद हों। ये तीनों मेरे प्राथमिक कर्तव्य होंगे।

सीएम बीरेन सिंह के अलावा उनके मंत्रिमंडल को भी शपथ दिलाई गई है। नेमचा किपगेन, वाई. खेमचंद सिंह, थोंगम विश्वजीत सिंह, अवंगबौ न्यूमाई, और गोविंदास कोंथौजम ने इम्फाल में राज्य के कैबिनेट मंत्रियों के रूप में शपथ ली।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित

नई दिल्ली। देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत को आज मरणोपरांत पद्म विभूषण से अलंकृत किया गया है, उनकी बेटियों कृतिका और तारिणी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। सीडीएस

बेटियों कृतिका और तारिणी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया

जनरल रावत की ८ दिसंबर को तमिलनाडु में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। उल्लेखनीय है कि पद्म विभूषण भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। जनरल बिपिन रावत को ३१ दिसंबर २०१६ को देश के पहले सीडीएस के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके अलावा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया वहीं पैरालंपिक रजत पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया को पद्म भूषण मिला इसके अलावा साइरस पूनावाला को व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है।

गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं को मिले मान्यताः जोशी

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में गढ़वाली, कुमाऊनी और जौनसारी भाषाओं को अति शीघ्र मान्यता मिलनी चाहिए।

यह बात आज मीडिया को जारी बयान के माध्यम से माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि पंजाब विधानसभा में पंजाबी में, बंगाल में बांग्ला में विधायक शपथ ले सकते हैं तो उत्तराखंड विधानसभा में गढ़वाली, कुमाऊनी, जोनसारी भाषाओं में शपथ क्यों नही? इन भाषाओं को मान्यता नई विधानसभा में पहला कार्य होना चाहिए। उन्होने कहा कि यह उत्तराखंड के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और सही मायने में इस पर्वतीय राज्य की अवधारणा भी सार्थक होगी। उन्होने कहा कि टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय की पहल के दूरगामी परिणाम होंगे, उन्होने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

दिन दहाड़े महिला से तमंचे की नोक पर लूट, बदमाश फरार

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून की कानून व्यवस्था को दरकिनार करते हुए बदमाशों द्वारा आज दिन दहाड़े तमंचे की नोक पर एक महिला से मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लूट करके भागे बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गयी है।

जहां राजधानी दून में एक तरफ नवनिर्वाचित सरकार के गठन की तैयारियां चल रही है और भारी तादात में पुलिस

बल मौजूद है। वहीं दूसरी तरफ बदमाशों द्वारा राजधानी दून में कानून व्यवस्था की धज्जियां दिन दहाड़े उड़ायी जा रही है। ऐसा ही एक मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के केशव रोड में आज सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक महिला आज दोपहर अपने घर से आफिस जा रही थी। इस दौरान जब वह सड़क पर चल रही थी तो पीछे से आये स्कूटी सवार चार बदमाशों ने उसे तमंचा दिखाकर रोक लिया और उसका मोबाइल लूट कर फरार हो गये। दिन दहाड़े तमंचे की नोक पर मोबाइल लूटे जाने की घटना से महिला अवाक रह गयी और वह चिल्लाने लगी।

महिला की आवाज सुनकर मौके पर आये स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब महिला से पूछताछ की तो महिला का कहना था कि स्कूटी सवार चार बदमाश थे। जिन्होने उससे तमंचा दिखाकर मोबाइल लूट लिया है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

> इन्द्र प्र णः पुरएतेव पश्य प्र नो नय प्रतरं वस्यो अच्छ।
> भवा सुपारो अतिपारयो नो भवा सुनीतिरुत वामनीतिः।।
>
> (ऋग्वेद ६–४७–७)
>
> हे परमेश्वर ! आप आगे–आगे चलकर हमारा मार्ग प्रशस्त करो। हमारा ध्यान रखो। हमें सत्य धन प्राप्त कराओ। आप की प्रेरणा से श्रेष्ठ व्यक्तियों से हमारा संपर्क हो। हम हमारे शत्रुओं (काम, क्रोध, लोभ, मोह, आदि) के जाल में ना फंसे। हे ईश्वर ! हमें इस भवसागर से पार करा दो।
>
> O God ! You pave our way ahead. Take care of us. Get us the true wealth. With your inspiration, we get in touch with the noble people. Let us not fall into the trap of our enemies (lust, anger, greed, attachment, etc.). O God ! Take us across the Bhav Sagar. (Rig Veda 6-47-7)

इस्टाग्राम पर आईफोन खरीदने के चक्कर में गंवाये 99 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। इंस्टाग्राम एप पर आईफोन खरीदने की पोस्ट से खाते से 99 हजार रूपये गायब हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर अम्बेडकर कालोनी निवासी नवनीत ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके इंस्टाग्राम एप प र आईफोन खरीदने की पोस्ट आयी थी उसने जैसे उस पोस्ट को अपने फोन पर अपडेट किया तो उसके खाते से 99 हजार 497 रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजमा-चावल बेचने की आड़ में करता था चरस तस्करी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। राजमा-चावल बेचने की आड़ में चरस तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने उसके साथी सहित गिरफ्तार कर उनके पास से एक किलो से अधिक चरस बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना मुक्तेशवर पुलिस व एसओजी नैनीताल को सूचना मिली कि सुशीला तिवारी अस्पताल के समीप एक राजमा चावल की ठेली लगाने वाला व्यक्ति अपने साथी सहित चरस तस्करी में लिप्त है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए मुक्तेश्वर पुलिस व एसओजी ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए धानाचुली बैंड के मुख्य बाजार से दो लोगों को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान संयुक्त टीम द्वारा उनके पास से एक किलो 100 ग्राम चरस बरामद की गयी। पूछताछ में उन्होने अपना नाम खुशाल सिंह बिष्ट, पुत्र जगत सिंह बिष्ट, निवासी ग्राम बेडचुला जिला नैनीताल व कुन्दन सिंह नयाल, पुत्र स्व. त्रिलोक सिंह निवासी ग्राम वेडचुला जिला नैनीताल बताया। बताया कि खुशाल सिंह बिष्ट सुशीला तिवारी अस्पताल के सामने राजमा चावल का ठेली लगाता है। जिसकी आड़ में वह अपने घर से चरस लाकर ग्राहकों को ठेली में सप्लाई किया करते थे। बहरहाल पुलिस ने उन्हे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

❑एक किलो से अधिक चरस बरामद

खाते से निकले 62 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। केवाईसी की डिटेल अपलोड करने पर खाते से निकले 62 हजार रूपये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा रोड निवासी मंदीप सिंह बसरा ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर टीएएनआरबी की केवाईसी की डिटेल अपडेट करने के लिए कहा गया। उसने जब डिटेल अपडेट की तो उसके खाते से 62 हजार 620 रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मन्दिर से छत्र चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मन्दिर से छत्र चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवेक विहार निवासी प्रवेश जोशी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि विवेक विहार स्थित शिव शक्ति मन्दिर में आज जब वह पूजा करने गया तो उसने देखा कि मन्दिर में लग छत्र अपने स्थान से गायब था जिसको चोरों ने रात्रि में चुरा लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार थाना पुलिस ने विवेक विहार में एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दस ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहित पंवार उर्फ मैडी पुत्र निर्मल सिंह निवासी टपकेश्वर कालोनी कैण्ट बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने खुले स्थान से स्कूटी चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीपल मण्डी निवासी नितिन जैन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी दर्शनी गेट पर स्थित गुरूद्वारे वाली गली में खडी की थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वाहनों की गति पर लगाम कसने को हुए कई प्रयोग, सभी बेअसर

संवाददाता

देहरादून। हाई-वे पर वाहनों की गति पर लगाम लगाने व दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस अधिकारियों ने कई प्रयोग किये जिनमें से एक इंटरसेप्टर व दूसरी सिटी पेट्रोल यूनिट का गठन किया गया लेकिन दोनों ही प्रयोग किसी काम आते दिखायी नहीं दिये।

राजधानी में हाई-वे पर आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं, तेज गति से चलने वाले डम्परों व अन्य वाहनों की गति पर लगाम लगाने के लिए अधिकारियों ने मंथन किया और प्रयोग के तौर पर इंटरसेप्टर को राजधानी में लाया गया। पूर्व में दिल्ली की एक प्राइवेट कम्पनी के कर्मचारियों के द्वारा दून यातायात पुलिस के कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गयी थी कि इंटरसेप्टर का संचालन कैसे करना है तथा तेज गति वाहनों की स्पीट को कैसे मापा जाता है। जिसके बाद राजधानी में सबसे पहले तीन इंटरसेप्टर लायी गयी थी।

कुछ समय तक तो वह इंटरसेप्टर शहर की सडकों पर दौडती हुई दिखायी दी लेकिन उसके बाद वह लुप्त हो गयी। जिसपर अधिकारियों का कहना था कि दो इंटरसेप्टर पहाडी जनपदों में भेज दी गयी हैं। उसके बाद यातायात का ढर्रा पूर्व की भांति चलता रहा था। फिर पुलिस अधिकारियों ने सिटी पेट्रोल यूनिट का गठन किया तथा जनता को बताया कि यह यूनिट हाई-वे पर होने वाले अपराधों के साथ-साथ तेज गति से चलने वाले वाहनों पर लगाम लगायेगी। लेकिन यह यूनिट भी शहर के बीच में वाहनों के चालान करती दिखायी दी और इसका एक ही काम रह गया था बगैर हैलमेंट पहने वालों का चालान करना।

पूर्व डीजीपी सिद्धू के समय तक तो सीपीयू के जवान जनपद के एसएसपी को भी कुछ नहीं समझते थे तो फिर सीओ और कोतवाल उनके सामने क्या थे। वह अपनी धुन में कहीं भी चालान करने के लिए खडे हो जाते थे तथा किसी अधिकारी की हिम्मत नहीं होती थी कि उनको यातायात सुधारने व जाम खुलवाने के लिए आदेश दे दें। सिद्धू के जाने के बाद जब इनकी कमान जनपद पुलिस के हाथों में आयी तो कई सीपीयू कर्मी अपनी पुरानी तैनाती पर ही चले गये। अब एक बार फिर सीपीयू के साथ इंटरसेप्टर भी शहर की सडकों पर दौडती दिखायी दे रही है। लेकिन फिर वहीं पुराना ढर्रा चलता दिखायी दे रहा है। इनकी जहां पर जरूरत है और जिस काम के लिए इनको लाया गया था वह वहां जाते ही नहीं हैं।

इन दोनों यूनिट को शहर के बीचों बीच चौराहों के आसपास ही मंडराते हुए देखा जा सकता है तो फिर अधिकारी काहे को ऐसे प्रयोग करते है जिनको अमल में लाने के लिए उनके पर कोई अधिकार ही नहीं होते या फिर अधिकारी अपने अधिकार का प्रयोग करने से घबराते हैं? यह अपने आपमें सोचने का विषय है कि जिस काम के लिए जिसको नियुक्त किया गया है वह अपने स्थान पर नहीं दिखायी देता है तो अधिकारियों को इनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए जिससे अन्यों को भी सबक मिले और वह अपनी डयूटी पर किसी प्रकार की कोई लापरवाही ना बरते?

वर्ल्ड प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच का आयोजन 23 से

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फारुखनगर, गुरुग्राम द्वारा ७५वें आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर २३ मार्च, २०२२ से ४ अप्रैल २०२२ तक वर्ल्ड प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में एनसीआर के विभिन्न स्कूलों की टीमें भाग ले रही हैं।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन हरियाणा भाजपा अध्यक्ष ओपी धनखड द्वारा २३ मार्च को सुबह ६.३० बजे किया जाएगा। यह कार्यक्रम हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में भी बलिदान दिवस पर आयोजित किया जा रहा है।

यह जानकारी युद्धवीर सिंह लांबा, रजिस्ट्रार, वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फर्रुख नगर, गुरुग्राम, हरियाणा ने दी।

गौरैया के संरक्षण को करने होंगे जरुरी प्रयासः भंडारी

कार्यालय संवाददाता

अल्मोड़ा । सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के कुलपति प्रो. नरेंद्र सिंह भंडारी ने विश्व गौरैया दिवस पर अपने संदेश में पहाड़ में गौरैया संरक्षण के लिए उचित व जरूरी कदम उठाने का आह्वान किया है। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मियों से अपेक्षा की है कि सभी पहाड़ों की चिड़िया गौरैया के संरक्षण के लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा है कि हमें अपने आवासों में गौरैया के लिए रहने के लिए आवास का स्थान निर्मित करना चाहिए और गौरैया को प्रत्येक सुबह–शाम दाना डालेंगे। उन्होंने कहा है कि वैश्विक परिवर्तन, जलवायु परिर्वनों के कारण पहाड़ों की गौरैया सबसे अधिक प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा है कि पर्वतीय विशेषकर ग्रामीण जन–जीवन में यह चिड़िया हमारी हिस्सेदार है। इसलिए इसके संरक्षण के लिए प्रयास जरूरी हैं।

दूसरी ओर एसएसजे कैंपस अल्मोड़ा के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में विश्व गौरैया दिवस पर गोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें कहा गया कि मोबाइल टावरों से निकलने वाले रेडिएशन, परंपरागत मकानों के उजड़ने, मानवीय हस्तक्षेप, जलवायु परिवर्तन आदि कई कारणों से पर्वतीय गौरैया की संख्या निरंतर घर रही है। ऐसे में सभी को गौरैया के संरक्षण के लिए आगे आने का संकल्प लिया गया। सभी वक्ताओं ने कहा कि गौरैया का मानव से गहरा संबंध है और यह हमारे गांव–घरों की पहचान है। सभी वक्ताओं ने गौरैया के संरक्षण पर जोर दिया। गोष्ठी में डॉ. ललित जोशी च्योगीज, स्वाति तिवारी, रोशनी बिष्ट, दिव्या नैनवाल, ज्योति नैनवाल आदि ने विचार रखे।

ऑटो पलटने से दो लोग हुए घायल, फायर सर्विस ने पहुंचाया अस्पताल

संवाददाता

देहरादून। आग बुझाकर आ रही फायर सर्विस यूनिट ने ऑटो के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाल दून चिकित्सालय पहुंचा उनका उपचार कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज समय साढे नौ बजे लगभग फायर स्टेशन देहरादून पर जंगल में आग की सूचना प्राप्त हुई। एफ० एस० यूनिट देहरादून के द्वारा बद्रीश कॉलोनी गली नंबर 2 में जंगल में लगी आग को हाई प्रेशर पंप की सहायता से बुझाया गया तथा रास्ते में आते समय सब्जी मंडी चौक धर्मपुर निकट बेकरी के पास में एक अज्ञात वाहन द्वारा एक ऑटो को टक्कर मार दी जिससे कि ऑटो वाहन पलट गया था। ऑटो चालक नाम विक्की पुत्र तीरथ सिंह,निवासी त्यागी रोड एम डी डी ए कॉलोनी लोहियापुरम तथा ऑटो में सवार व्यक्ति नाम पवन पुत्र रतन सिंह एमडीडीए

कॉलोनी जो की ऑटो के नीचे दब गए थे। फायर सर्विस यूनिट देहरादून ने तुरंत स्थानीय लोगों की मदद से ऑटो को सीधा करा कर ऑटो के नीचे दबे व्यक्तियों को निकाला गया। चालक विक्की के सर में काफी गहरी चोट लगने के कारण सड़क में काफी खून बह गया था तथा हालत काफी गंभीर लग रही थी।

फायर यूनिट ने तत्काल अपने मिनी फायर टेंडर में दोनों घायल व्यक्ति को बैठाकर दून हॉस्पिटल इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। डॉक्टर के द्वारा उक्त घायल विक्की के सर में टांके लगा कर उपचार शुरू किया गया तथा दूसरे घायल व्यक्ति के हाथ में फैक्चर बताया गया उसका भी उपचार शुरू किया गया । उक्त सूचना 112 को देकर एवम घायल व्यक्तियों के फोन द्वारा उनके परिजनों को घटना की जानकारी देकर एवम अस्पताल बुलाया गया तो तथा घायल व्यक्ति का फोन व ऑटो की चाबी उनके परिजनों के सुपुर्द की गई। जीवन रक्षा के लिए परिजनों द्वारा फायर सर्विस यूनिट देहरादून की प्रशंसा की गई।

हमेशा जीत सत्य की ही होती हैः पुष्पक ज्योति

देहरादून (कासं)। असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है होली का पर्व यह बात आई पुष्पक ज्योति ने देहरादून निकट थानू में आयोजित होली मिलन समारोह में कही। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में पूरे उत्तराखंड से आए कायस्थ समाज के लोगों ने भाग लिया। होली मिलन समारोह को सम्बोधित करते हुए पुष्पक ज्योति ने कहा की होलिका में बुराइयों का दहन करने के बाद दूसरे दिन होली का पर्व इस बात का प्रतीक है की हमेशा जीत सत्य की ही होती है उन्होंने कहा सत्य विचलित भले हो लेकिन कभी पराजित नहीं हो सकता इसलिए हमेशा सत्य के साथ रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा की आज का त्योहार असत्य पर जीत के साथ भाई चारे का पर्व भी है जब हम अपने सभी नाराज़गी को भुला कर अपनो के गले लगते है जिससे दिल के सभी गिले सिकवे दूर हो जाते है।

कार्यक्रम का संचालन पीयूष निगम और राजीव जौहरी के किया। कार्यक्रम को राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने सम्बोधित करते हुए सबको फिर वही नारा याद दिलाया की कायस्थ समाज के हर संगठन को एक साथ एक मंच पर आ कर हमारे नारे का अनुसरण करना चाहिए।

सीकर होम रिज़ोर्ट में आयोजित कार्यक्रम में हल्द्वानी से आए प्रदेश संगठन मंत्री मुरारी प्रसाद ने ख़ुशी व्यक्त करते हुए कहा की उन्होंने जो सपना बीस वर्ष पहले देखा था वह आज पूरा होता नज़र आ रहा है उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि सभी संगठन एक साथ एक मंच पर आकर अपनी ताकत का अहसास कराए । कार्यक्रम में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कई पारिवारिक गेम भी खेले गए।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय भजन गायक गोपाल भटनागर की प्रस्तुति से समा बांधे रखा। कार्यक्रम में हल्द्वानी, रूद्रपुर, ऋषिकेश, मसूरी सहित देहरादून से सैकड़ों लोगों ने भाग लिया कार्यक्रम में कायस्थ परिवार के बच्चों ने कई प्रस्तुति दी कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, कमल भटनागर, रवि सरन महासचिव सर्वेश माथुर, संगठन मंत्री मुरारी प्रसाद, सह संगठन मंत्री सुशील सक्सेना, महिला अध्यक्ष अनिता सक्सेना, कोषा अध्यक्ष हितेंद्र सक्सेना,महिला महासचिव वंदना श्रीवास्तव, महिला संगठन मंत्री नीतू श्रीवास्तव, युवा अध्यक्ष सौरभ सक्सेना, महासचिव नितिन दयाल ज़िला अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव उपाध्यक्ष पी के कलश्रेस्ठ, रुद्रपुर इकाई से कमल सक्सेना, ऋषिकेश के अध्यक्ष डा विनोद श्रीवास्तव, सुरेश जी, हरिद्वार इकाई से मनोज सिन्हा, ऋचा जौहरी, अभय श्रीवास्तव, विक्रम श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, अभिषेक सिन्हा, अजय श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, शैलेंद्र, तरुण सक्सेना, गोविंद बांधवा सहित पूरे प्रदेश से सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

'वर्क' कार्यकर्ताओं ने किया शरबत वितरण

देहरादून (सं)। वर्क संस्था ने जामा मस्जिद के सामने शरबत वितरण कर लोगों को गर्मी से राहत दिलाया। आज यहां वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलीजन एंड नॉलेज (वर्क)के कार्यकर्ताओं ने पलटन बाजार जामा मस्जिद के सामने गर्मियों के शुरू होने पर सभी आम जनमानस को रूह अफजा का शरबत का वितरण किया। जिसमें आसपास के लोग और हर आने जाने वाले औरत आदमी और बच्चों ने ठंडे शरबत को ग्रहण कर राहत की सांस ली और प्रोग्राम को सराहा। ट्रस्ट के मोहम्मद दानिश अफजल ने कहा हमे खुदा ने इंसान बना कर पैदा किया है उसका हम पर बहुत बड़ा एहसान है हमे उसका शुक्र भेजना चाहिए और अपने अंदर की बुराइयों को दूर कर मानव जाति की भलाई के लिये काम करना चाहिये। हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई एकता,भाईचारा कायम रहे और हर आमजन तक अच्छाई ,सच्चाई और इंसानियत का पैगाम पहुंचे और गरीब, असहाय ,भूखें प्यासे जरूरतमंद की जरूरत का सामान उस तक पहुंच सके। शर्बत वितरण के इस प्रोग्राम में मोहम्मद दानिश अफजल,आरिफ वारसी,इल्यास कुरेशी,फैजान अहमद,फरमान,ओम,इशांत,राहुल सोनकर,जुनेद अहमद,मास्टर उजैर वारसी,मोहम्मद मुदस्सिर,आजाद, मुकुल,और आरिफ आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

टीवी देखते वक्त स्नैक्स का सेवन आपके लिए है खतरनाक

सिनेमा देखते वक्त, टीवी देखते वक्त लोगों में स्नैक्स खाने की आदत बेहद ही आम है. पर अगर आपको भी ये आदत है तो इसे आज ही बदल डालें. आपकी ये आदत आपको बीमार कर सकती है. खासकर के युवाओं के लिए ये आदत और अधिक हानिकारक साबित हो रही है. इससे युवाओं में डायबिटीज और हृदय संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है.

जानिए विस्तार में

हाल ही में हुए एक शोध में ये बात सामने आई है कि जो बच्चे टीवी देखते वक्त स्नैक्स का अधिक सेवन करते हैं उनके शरीर में मेटाबोलिक सिंड्रोम का खतरा ज्यादा देखने को मिलता है. इस शोध को 12 से 17 साल के करीब 34,००० बच्चों पर किया गया, जिसके बाद शोधार्थी इस निष्कर्ष पर पहुंचे.

क्या होता है मेटाबोलिक सिंड्रोम

ये किसी बीमारी का नाम नहीं है. बल्कि कई तरह की बीमारियों के एक साथ होने से लोगों में ये परेशानी होती है. हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, अधिक कोलेस्ट्रोल, कमर की चर्बी, ये सब एक साथ मिल कर मेटाबोलिक सिंड्रोम की वजह बनते हैं. इसके अलावा कई बार इन सभी परेशानियों को बढ़ाने में भी मेटाबोलिक सिंड्रोम प्रमुख कारण होता है.

आइए जाने कौन सी बीमारियां मेटाबोलिक सिंड्रोम के लिए जिम्मेदार होती हैं.

हाई ब्लड प्रेशर

मेटाबोलिक सिंड्रोम के होने का सबसे अधिक खतरा हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों में रहता है. आपको बता दें कि व्यक्ति का रक्तचाप समान्यतः १२०/८० रहता है. अगर आपमें ये अगल हो तो आपको ये परेशानी हो सकती है.

बैड कोलेस्ट्रोल

अगर आपके खून में बैड कोलेस्ट्रोल की मात्रा १५० मिग्रा/डेलि है तो आपको मेटाबोलिक सिंड्रोम के होने का खतरा अधिक हो जाता है.

मोटापा

मोटापा का सामना कर रहे लोगों को भी मेटाबोलिक सिंड्रोम के होना का खतरा अधिक रहता है. खास कर के उन लोगों में ये और अधिक होता है जिनके पेट के आसपास में अतिरिक्त चर्बी जमा रहती है.

शुगर

अगर खाना खाने से पहले आपके शरीर में शुगर की मात्रा १०० से अधिक है तो आपको सचेत रहने की जरूरत है. आपको ये परेशानी हो सकती है.

टूथपेस्ट से जुड़े कुछ खास तथ्य जानिये

हम सब सुबह उठते ही खूब ब्रश करते है क्योकि ब्रश करने से हमारे दांत विल्कुल सही रहते है। जब भी छोटे बच्चे ब्रश नहीं करते है तब उन्हें बोला जाता है कि ब्रश करो नहीं तो दांतों में कीड़े लग जाएगे, दांत पीले हो जाएगे या दांत सड़ जाएगे।

हम लोग ब्रश करते है जिससे कि हमारे दांत विल्कुल सफेद रहे , पीले न दिखे। लेकिन सवाल यह है कि क्या सच में टूथपेस्ट से हमारे दांतों में चमक आती है? तो चलिए आपको बताते है इसके बारे में..

व्हाइटनिंग टूथपेस्ट का असर- बहुत सारे टूथपेस्ट ऐसे होते है जो दांत चमकाने का दावा करते हैं असल में वह इनैमल (दंतवल्क) के लिए नुकसानदायक होते हैं। कई टूथपेस्ट में तो ऐसे केमिकल डाले जाते हैं जो इनैमल को क्षतिग्रस्त कर देते हैं। इसके अलावा ऐसे टूथपेस्ट से दांतो के बाहरी कवच को घिसने से दांत खुरदरे और कमजोर हो जाते हैं।

लाभ से ज्यादा हानि- दरअसल व्हाइटनिंग टूथपेस्ट दांतो के लिए फायदे से ज्यादा हानिकारक होते हैं। क्योंकि इनसे दांत घिसने पर दांतों की बाहरी परत कमजोर हो जाती है जिससे चाय, कॉफी, वाइन इत्यादि के धब्बे दांतो पर दिखाई देने लगते हैं और दांत फीके दिखाई देते हैं।

चेतावनी- डॉक्टरों का भी यही मानना है कि ऐसे टूथपेस्ट से दांतों की ज्यादा सफाई करने पर दांतों को लाभ की जगह हानि होती है।

उपाय- हमें दांत चमकाने से ज्यादा हमारे दांतों को स्वस्थ रखना जरूरी है और इसके लिए समय समय पर अपने मसूड़ों की मालिश करनी चाहिए। इसके अलावा हर बार खाना खाने के बाद कुल्ला जरूर करें जिससे की दांतों में किसी तरह की गंदगी ना जमे, दांत साफ रहे, दांतों की चमक भी बनी रहे।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य · 72

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2		■	■	3	■	■	■
4		■	5			6	■	7
■	8			■	9			
10	■	■		■	■		■	
11				■	12			■
	■		■	13		■	14	
16	17		■	18				■
■		■	19			■	■	20
21		■		■	■	22		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 71 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

अर्जुन बिजलानी, कनिका मान-स्टारर रुहानियत का ट्रेलर हुआ रिलीज

अर्जुन बिजलानी और कनिका मान स्टारर आगामी वेब सीरीज रुहानियत का ट्रेलर जारी किया गया। वेब सीरीज की कहानी दो किरदारों की प्रेम यात्रा के इर्द-गिर्द घूमती है और पहली डेट के अंतरंगता के क्षणों, पहली लड़ाई, ईर्ष्या की चिंगारी और यह महसूस करने की यात्रा से संबंधित है कि क्या यही प्यार है।

शो के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने कहा कि इस सीरीज के लिए शूटिंग करना एक अद्भुत अनुभव रहा है। यह शो इस बात का जवाब खोजने के बारे में है कि क्या प्यार हमेशा के लिए मौजूद रहता है। यह सामान्य प्रेम कहानी नहीं है। इसमें ऐसे ट्विस्ट और टर्न हैं जिनकी किसी को उम्मीद नहीं होगी।

कनिका ने आगे कहा कि जब मैंने रुहानियत की पटकथा पढ़ी, तो इसने मुझे शुरू से ही बांधे रखा। प्रिशा एक अप्रत्याशित लड़की है, जो सच्चे प्यार और आत्मीयता की अवधारणा में विश्वास करती है। मैं उस चरित्र से खुद को संबंधित कर सकती थी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक सीरीज का आनंद लेंगे और हमारे काम की सराहना करेंगे।

ग्लेन बैरेटो और अंकुश मोहला द्वारा निर्देशित, सीरीज में अमन वर्मा और स्मिता बंसल भी हैं, जो 23 मार्च को एमएक्स प्लेयर पर रिलीज होगी।

प्रभु देवा अभिनीत रेकला पर काम शुरू

निर्देशक यू अंबरसन की नई फिल्म रेकला पर काम शहर में एक साधारण पूजा के साथ शुरू हुआ, जिसमें निर्देशक-अभिनेता प्रभु देवा मुख्य भूमिका में हैं। अंबरसन को उनकी पिछली फिल्म वाल्टर के लिए जाना जाता है, जो एक एक्शन थ्रिलर थी, जिसमें सिबी सत्यराज मुख्य भूमिका में थे।

प्रभु देवा की 58वीं फिल्म रेकला का निर्माण ओलंपिया मूवीज के एस अंबेथ कुमार कर रहे हैं।

जाने-माने निर्देशक मैस्किन ने फिल्म के पहले शॉट के लिए क्लैपबोर्ड बजाकर आधिकारिक तौर पर फिल्म का शुभारंभ किया।

फिल्म के लिए संगीत घिबरन ने दिया है। फिल्म की यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि यह काफी बड़े बजट की फिल्म होगी और यह फिल्म ग्रामीण एंटरटेनर होगी।

लोकेश कनकराज की विक्रम की टीम ने रिलीज किया नया पोस्टर

निर्देशक लोकेश कनकराज की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म विक्रम की टीम ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर, (जिसमें कमल हासन एक तलवार लिए हुए हैं) ने फिल्म की रिलीज की तारीख से संबंधित यूनिट की पहले की घोषणा की बात दोहरायी। बता दें कि टीम ने घोषणा की थी कि वे 14 मार्च को सुबह 7 बजे फिल्म की रिलीज की तारीख का खुलासा करेंगे।

कमल हासन और आर. महेंद्रन द्वारा निर्मित, फिल्म, जिसमें तीन दिग्गज कलाकार हैं और पिछले 9 महीनों से इस पर काम कर रहे एक स्टार-स्टडेड क्रू ने बड़ी उम्मीदें पैदा की हैं।फिल्म की मुख्य शूटिंग अगस्त 2021 में लॉकडाउन प्रतिबंधों और एक नए प्रतिबंध के बावजूद शुरू हुई। क्रू ने सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अथक परिश्रम किया और आखिरकार हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी करने में सफल रही।

मुख्य भूमिका निभाने वाले तीन पावरहाउस कलाकारों के अलावा, फिल्म में नारायण, चेंबन विनोद, कालिदास जयराम और गायत्री भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

स्पोर्ट ड्रामा फिल्म चकदा एक्सप्रेस के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहीं हैं एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा काफी लंबे समय बाद फिल्मों में नजर आने वाली है, जो कि एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म का नाम चकदा एक्सप्रेस है, जिसके लिए अनुष्का कड़ी धूप में जमकर पसीना बहा रहीं हैं।

अनुष्का ने फिल्म के लिए तैयारी करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे कड़ी धूप में खूब मेहनत कर रहीं हैं। बता दें कि अनुष्का फिल्म में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का किरदार निभा रही हैं, जिसके लिए उन्हें बहुत मेहनत करना पड़ रहा है।

इस प्रेप वीडियो को शेयर करते हुए अनुष्का ने लिखा, गेट-स्वेट-गो! जैसे-जैसे हम दिन गिन रहे हैं, चकदा एक्सप्रेस की तैयारी कठिन और तेज होती जा रही है।

वीडियो में अनुष्का को नेट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी की प्रैक्टिस करते देखा जा सकता है। साथ ही साथ वह अपने क्रिकेट प्रैक्टिस के लिए वॉर्मअप एक्सरसाइज करते हुए भी दिखाई दे रही है।

बता दें कि फिल्म चकदा एक्सप्रेस भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की बायोपिक है। फिल्म को प्रोसित रॉय डायरेक्ट करेंगे, जबकि अनुष्का ही इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। (आरएनएस)

सिनेमा में एक्शन को अगले लेवल तक ले गए अक्षय कुमार : विद्युत जामवाल

नॉन-फिक्शन एक्शन रियलिटी शो इंडियाज अल्टीमेट वॉरियर की मेजबानी कर रहे अभिनेता और मार्शल कलाकार विद्युत जामवाल का कहना है कि बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की मौजूदगी के बिना यह सीरीज अधूरी होती। अक्षय शो के एक विशेष एपिसोड में दिखाई दिए हैं और प्रतिभागियों के प्रभावशाली प्रदर्शन को देखकर उन्होंने इंडियाज अल्टीमेट वॉरियर के विजेता को 10 लाख रुपये देने की घोषणा की।

विशेष एपिसोड के अनुभव के बारे में बात करते हुए, विद्युत ने कहा, कई युवाओं की तरह, मैं भी अक्षय कुमार का बहुत बड़ा प्रशंसक था, जो आज तक हमारे देश के सर्वश्रेष्ठ एक्शन सुपरस्टार में से एक के रूप में जाने जाते हैं।

उन्होंने कहा, मैं मार्शल आर्ट में ट्रेनिंग ले रहा था और जैसा कि हम सभी जानते हैं कि उन्होंने एक स्टंट मैन और एक प्रशिक्षित मार्शल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया था, उन्होंने मुझे फिल्म में नायक बनने का सपना दिखाया! मुझे लगता है कि वह उन अभिनेताओं में से एक हैं जिन्होंने हमारे सिनेमा में एक्शन को अगले स्तर तक पहुंचाया।

विद्युत ने आगे कहा, आजकल, सिनेमा में मार्शल कलाकारों को अक्षय सर की वजह से सम्मान का एक नया स्थान मिला है। मेरा शो उनकी मौजूदगी के बिना अधूरा होता।

इंडियाज अल्टीमेट वॉरियर एक रियलिटी शो है, जहां विद्युत विभिन्न युद्ध रूपों के चार आकाओं के साथ प्रतिभागियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं और हमारे देश के सर्वश्रेष्ठ योद्धा को उनकी शारीरिक और मानसिक विशेषताओं जैसे फोकस, नियंत्रण, दृढ़ संकल्प, संतुलन, अनुशासन के आधार पर चुनते हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे शो का सबसे खास तत्व यह है कि हम योद्धा का चयन कैसे कर रहे हैं। हमारे लिए मेंटर के रूप में, यह हमारी जिम्मेदारी थी कि हम उनकी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

विद्युत ने कहा, वे सभी इस तरह से विजेता हैं कि वे खुद का एक नया संस्करण हैं। यही कारण है कि हमारा रियलिटी शो हर तरह से वास्तविक है और बहुत ही अनोखा भी है। इंडियाज अल्टीमेट वॉरियर का टेलीविजन प्रीमियर 14 मार्च को डिस्कवरी चैनल पर हुआ।

बिपाशा जल्द ही करेंगी फिल्मों में वापसी

अभिनेत्री बिपाशा बसु बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। अपनी एक्टिंग के साथ-साथ वह अपने बोल्ड अंदाज को लेकर भी काफी सुर्खियों में रही हैं। बिपाशा को उनके फैंस रुपहले पर्दे पर देखने को बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब आखिरकार वह लंबे ब्रेक के बाद फिल्मों में लौटने के लिए तैयार हैं।

बिपाशा ने बताया कि वह बॉलीवुड में लौटने वाली हैं। उन्होंने कहा, मैंने इसी साल फिल्मों में अपनी वापसी करने की योजना बनाई है। मैं कुछ मजेदार कर रही हूं। जल्द ही मैं अपने आगामी प्रोजेक्ट की घोषणा करूंगी। उन्होंने कहा, मैं कुछ नया करना चाहती थी, जिसे देख मेरे फैंस खुश हो जाएं। मैं उन्हें निराश नहीं करना चाहती। अब ढेर सारा काम करने का तैयार हूं। मैंने इवेंट में शामिल होना शुरू कर दिया है।

बिपाशा ने कहा, मैं पिछले कुछ सालों में काम को लेकर आलसी भी हो गई थी। 2021 उम्मीद लेकर आया। अब चीजें बदली हैं। मुझे नहीं पता था कि दुनिया किस ओर जा रही है, क्योंकि कोरोना वायरस ने सबको घर पर रहने के लिए मजबूर कर दिया था। उन्होंने कहा, उस समय सब कुछ इतना अनिश्चित था। हममें से किसी ने भी कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था। मैं कई भावनाओं से गुजरी। मेरा परिवार मुझे लेकर चिंतित था। बिपाशा ने 1996 में मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 2001 में फिल्म अजनबी से बॉलीवुड में कदम रखा। बिपाशा को इस फिल्म के लिए बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला, जिसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म राज में लीड किरदार निभाया। उन्हें रक्त, फुटपाथ और ऐतबार जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में देखा गया। बिपाशा ने हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल फिल्मों में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। बिपाशा को आखिरी बार हॉरर फिल्म अलोन में देखा गया था। इसमें उन्होंने दो जुड़वा बहनों संजना और अंजना का किरदार निभाया था। इस फिल्म में बिपाशा के साथ उनके पति करण सिंह ग्रोवर मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म 2015 में रिलीज हुई थी। यह 2007 में इसी नाम से आई थाई फिल्म का हिंदी रीमेक थी। हालांकि, फिल्म दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतरी।

सलमान और कैटरीना की फिल्म टाइगर 3 की रिलीज डेट जारी

सलमान खान जल्द ही कई बड़ी फिल्मों में नजर आएंगे। टाइगर 3 भी उनकी आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। सलमान और कैटरीना कैफ के फैंस लंबे समय से इस फिल्म को पर्दे पर देखने की राह देख रहे हैं और अब आखिरकार उनका यह इंतजार खत्म होने वाला है। दरअसल, टाइगर 3 की रिलीज डेट सामने आ गई है। सलमान ने एक टीजर शेयर कर यह जानकारी दी है।

सलमान ने ट्विटर पर कैटरीना संग फिल्म का टीजर वीडियो शेयर कर लिखा, हम सब अपना अपना ख्याल रखें। 2023 ईद पर टाइगर 3 आ रही है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में भी रिलीज हो रही है। यशराज फिल्म्स की टाइगर 3 को 21 अप्रैल, 2023 को अपने आसपास के सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें। टीजर की शुरुआत कैटरीना के एक्शन से होती है। उनके फाइट सीन बयां करते हैं कि फिल्म इस बार ज्यादा खतरनाक होने वाली है।

सलमान अपने फैंस के लिए ईद पर कोई ना कोई फिल्म जरूर लाते हैं। खास बात ये है कि एकाध को छोड़कर ईद पर आई उनकी सभी फिल्में ब्लॉकबस्टर रही हैं। सलमान की पिछली फिल्म राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई भी ईद पर आई थी। रेस 3 और ट्यूबलाइट को छोड़ ईद के मौके पर रिलीज हुई उनकी हर फिल्म सुपरहिट रही। इस फेहरिस्त में दबंग, बॉडीगार्ड, एक था टाइगर, किक, बजरंगी भाईजान, सुल्तान और भारत जैसी फिल्में शामिल हैं।

यशराज फिल्म्स की सफल फ्रेंचाइजी टाइगर की शुरुआत कबीर खान निर्देशित एक था टाइगर से हुई थी। इसकी दूसरी फिल्म टाइगर जिंदा है का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया था। ये दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थीं। अब इसके तीसरे पार्ट का निर्देशन मनीष शर्मा कर रहे हैं। टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में सलमान के साथ कैटरीना भी जबरदस्त एक्शन सीन करने वाली हैं। इमरान हाशमी इस फिल्म में विलेन बने हैं।

यशराज बैनर ने पिछले दिनों फिल्म पठान की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह अगले साल 25 जनवरी को रिलीज होगी। बीते दिन यशराज फिल्म्स ने फिल्म जयेशभाई जोरदार की रिलीज डेट भी बताई। यह फिल्म इसी साल 13 मई को रिलीज होने वाली है।

सलमान सुपरहिट तमिल फिल्म मास्टर के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। वह फिल्म पठान का भी हिस्सा हैं। सलमान दबंग 4 में भी नजर आएंगे। वह बजरंगी भाईजान के सीक्वल पवनपुत्र भाईजान में भी काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ कैटरीना साउथ के सुपरस्टार विजय सतुपति के साथ फिल्म मैरी क्रिसमस में दिखाई देंगी। उनकी हॉरर कॉमेडी फिल्म फोन भूत आने वाली है। वह फरहान अख्तर की रोड ट्रिप पर आधारित फिल्म जी ले जरा का भी हिस्सा हैं। (आरएनएस)

विपक्ष में विकल्प बनने की बेचैनी

अजीत द्विवेदी

अगर किसी को नरेंद्र मोदी और भाजपा का विकल्प बनना है तो राजनीति के मौजूदा टेम्पलेट्स में से एक चुनने या स्टीरियाटाइप में बंधे रहने की बजाय कुछ नया सोचना होगा। नई विचारधारा, जो लोकतंत्र, नागरिक स्वतंत्रता और इंसानी गरिमा के अनरूप हो उसकी रूप-रेखा तैयार करनी होगी और शासन का वैकल्पिक स्वरूप भी बना कर उसे लागू करने की वैज्ञानिक विधियों के साथ जनता के सामने रखना होगा।

नरेंद्र मोदी का विकल्प कौन होगा? यह ऐसा प्रश्न है, जिसके कई जवाब हैं। एक जवाब तो हर पार्टी के हिसाब से है। हर पार्टी अपने नेता को प्रधानमंत्री मैटेरियल मान रही है और उसे ही राष्ट्रीय विकल्प बता रही है। दूसरा जवाब राज्यों में होने वाले हर चुनाव के बाद मिलता है, जो अलग अलग होता है। तीसरा जवाब सोशल मीडिया के महारथियों के पास है, जो नेताओं से लेकर अराजनीतिक नामों की चर्चा करते रहते हैं। जाहिर है विकल्प बनने की बेचैनी बहुत से नेताओं, अर्थशास्त्रियों और चुनाव रणनीतिकारों में है लेकिन इस बेचैनी से क्या हासिल होगा? क्या इनमें से कोई भी विकल्प बनने की जरूरी अर्हता को पूरा करता है? या क्या उसके पास कोई वैकल्पिक विचार है? क्या बिना वैकल्पिक विचार के कोई व्यक्ति नरेंद्र मोदी और भाजपा का विकल्प बन सकता है?

विकल्प बनने के लिए दो चीजें सबसे अहम हैं। पहली चीज है विचारधारा और दूसरी चीज है शासन का वैकल्पिक मॉडल। विचारधारा और शासन के मॉडल पर ही नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार की इमारत खड़ी की है। विचार उनका नहीं, बल्कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का है, जिसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने और उन्हें उस विचार से बांधे रखने के नए नए तरीके वे जरूर खोजते रहते हैं। शासन का मॉडल भी उनका नहीं है, लेकिन उन्होंने इसे ज्यादा कारगर बनाया है। उन्होंने मतदाताओं के सबसे बड़े वर्ग को पहचाना और उसे स्थायी वोट बैंक में तब्दील किया। वह सबसे बड़ा वोट बैंक गरीब का है, जो कभी कांग्रेस के साथ था। तभी कांग्रेस गरीबी हटाओ का नारा देती थी और कांग्रेस की सरकार गरीबों के लिए माई-बाप सरकार होती थी। गवर्नेस के इसी मॉडल को भाजपा की मौजूदा सरकार ने अपने हिसाब से लागू किया है। फर्क इतना है कि कांग्रेस की सरकार गरीबी हटा नहीं पाई तो उसने गरीबी बढ़ाई भी नहीं। भाजपा ने गरीबी बढ़ा कर गरीबों को स्थायी वोट बैंक में तब्दील किया है। जितने ज्यादा गरीब होंगे, जितने ज्यादा लोग सरकारी राहत व मदद पर आश्रित होंगे, उतने ज्यादा वोट होंगे।

तभी गरीब की जगह एक लाभार्थी का वोट बैंक खड़ा हुआ है। यह लाभार्थी मतदाता वर्ग, जिसे नमकहलाल मतदाता भी कह सकते हैं, पूरी तरह भाजपा और खास कर नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा होता है। ध्यान रहे पिछले कई चुनावों में जहां भी भाजपा अकेले लड़ी है और एक बड़ी ताकत है वहां उसे 40 फीसदी के आसपास वोट मिलते हैं। यह वोट का बहुत बड़ा आंकड़ा होता है। इससे पहले बहुत कम पार्टियां थीं, जिन्हें निरंतर 40 फीसदी वोट मिलते हों। इस 40 फीसदी वोट में आधा यानी करीब 20 फीसदी वोट लाभार्थियों का होता है और बाकी 20 फीसदी वोट विचारधारा का है, जो नरेंद्र मोदी के नहीं रहने पर भी भाजपा को मिलता था। जब तक कोई पार्टी इसके बरक्स कोई दूसरी मजबूत विचारधारा लेकर नहीं आती है और मोदी मॉडल ऑफ गवर्नेस के समानांतर कोई दूसरा आकर्षक मॉडल नहीं लाती है, तब तक विकल्प बनने की बेचैनी से कुछ हासिल नहीं होने वाला है।

मौजूदा समय में किसी पार्टी के पास कोई नई व आकर्षक विचारधारा नहीं दिख रही है और न गवर्नेस का कोई ऐसा मॉडल है, जो अखिल भारतीय स्तर पर मोदी मॉडल के सामने चुनौती बन सके। तभी भाजपा के विरोधी हर चुनाव के बाद एक नया मसीहा देखने लगते हैं और उसमें विकल्प तलाशने लगते हैं। जैसे पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद अरविंद केजरीवाल में वह संभावना देखी जा रही है। पंजाब में उनकी पार्टी को मिली भारी भरकम जीत के बाद उनको राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के लिए चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है और उनकी पार्टी केजरीवाल मॉडल को देश का मॉडल बनाने की बात कर रही है। पर क्या सचमुच केजरीवाल के पास जो विचार और शासन का मॉडल है वह मौलिक है और उनका अपना है? ऐसा नहीं है! उनके विचार और शासन का मॉडल दोनों क्लोन किए हुए हैं। वे हिंदुत्व के विचार की राजनीति करते हैं और जनता को शासन पर आश्रित बनाने के मॉडल पर सरकार चलाते हैं। यहीं तो भाजपा का मॉडल है। जनता को आत्मनिर्भर बनाने, उसके लिए अवसर उपलब्ध कराने और गरिमा के साथ अपना जीवन चलाने वाला शासन देने का मॉडल उनका भी नहीं है। भाजपा के मॉडल में वे सिर्फ इतना बदलाव करते हैं कि उसमें स्कूल और अस्पताल जोड़ देते हैं। यह विकल्प नहीं है, बल्कि मौजूदा शासन व्यवस्था का एक्सटेंशन है।

सो, जाहिर है कि अरविंद केजरीवाल कोई विकल्प नहीं हैं, बल्कि उसी धारा के राजनेता हैं, जो समय के साथ बहते हुए कुछ राज्यों में सत्ता में आते रहेंगे और हो सकता है कि कभी केंद्र की सत्ता में भी आ जाएं। लेकिन उनकी राजनीति विकल्प बनने वाली नहीं है। इसी तरह पिछले साल के चुनावों में जीत के बाद ममता बनर्जी को विकल्प बताया जा रहा था या उससे कई साल पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में नरेंद्र मोदी का विकल्प देखा जा रहा था। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को स्वाभाविक विकल्प मानते रहे हैं तो शरद पवार से लेकर चंद्रशेखर राव तक कई अन्य क्षत्रप भी अपने को विकल्प के तौर पर देख रहे हैं। इनमें से सबके पास विकल्प बनने की बेचैनी तो है लेकिन सलाहियत किसी के पास नहीं है।

कांग्रेस और राहुल गांधी को विकल्प मानने वाला कोई व्यक्ति बता सकता है कि पंजाब में कांग्रेस का राज था तो उसने क्या वैकल्पिक विचार या शासन का मॉडल खड़ा किया? सोचें, पांच राज्यों में चुनाव हुए, जिनमें चार राज्यों में प्रो इन्कम्बैंसी वोट हुआ और सिर्फ पंजाब में एंटी इन्कम्बैंसी की लहर चली! चार राज्यों में भाजपा का शासन था और अपनी वोट हिस्सेदारी बढ़ाते हुए उसने चारों राज्यों में जीत हासिल की। इसके उलट कांग्रेस पंजाब में साफ हो गई। चार राज्यों में भाजपा की जीत का एक संकेत यह है कि लोगों को सत्तारूढ़ दल को वापस चुनने में संकोच नहीं है। फिर कांग्रेस क्यों नहीं ऐसा कोई मॉडल बना पाई कि उसकी सरकार भी दोबारा चुनी जाए? और अगर राज्यों में वह कोई ऐसा मॉडल नहीं तैयार कर पाई तो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से मुकाबले का वैकल्पिक मॉडल कैसे तैयार करेगी? सो, अगर किसी को नरेंद्र मोदी और भाजपा का विकल्प बनना है तो राजनीति के मौजूदा टेम्पलेट्स में से एक चुनने या स्टीरियाटाइप में बंधे रहने की बजाय कुछ नया सोचना होगा। नई विचारधारा, जो लोकतंत्र, नागरिक स्वतंत्रता और इंसानी गरिमा के अनरूप हो उसकी रूप-रेखा तैयार करनी होगी और शासन का वैकल्पिक स्वरूप भी बना कर उसे लागू करने की वैज्ञानिक विधियों के साथ जनता के सामने रखना होगा।

सू- दोकू क्र. 72

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.71 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

प्लांट ऑर्बिट को भारत का सबसे बड़ा ऑनलाइन प्लांट प्लेटफार्म बनाना चाहते हैं गगन त्रिपाठी

कार्यालय संवाददाता

हल्द्वानी। आज के इस दौर में जब खेती निरंतर कम होती जा रही है और शहर कंक्रीट के जंगल में तब्दील होते जा रहे हैं ऐसे में जलवायु परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याएं अब सामने आने लगी है लिहाजा छोटी सी छोटी जगह में भी इनडोर और आउटडोर पौधे लगाकर लोग शहर में भी अपने घर में हरियाली कर सकते है। लोगों को जागरूक करने और इनडोर और आउटडोर पौधों की जानकारी के लिए छोटी सी उम्र में हल्द्वानी के मुखानी के रहने वाले गगन त्रिपाठी ने प्लांट ऑर्बिट की स्थापना की है ।

कहते हैं कामयाबी की कोई उम्र नहीं होती और प्रतिभा सही दिशा में चले तो कामयाबी की ओर ले जाती है ऐसा ही कुछ कर दिखाया हल्द्वानी के रहने वाले गगन त्रिपाठी ने। जिनकी उम्र 21 वर्ष है और इनके प्लांट ऑर्बिट का टर्नओवर 30 लाख के करीब है ना गजब की बात।

हल्द्वानी के मुखानी चौराहे के पास रहने वाले गगन त्रिपाठी बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र हैं, और बचपन से ही पेड़ पौधों से लगाव होने के चलते उन्होंने पढ़ाई के साथ साथ बतौर स्टार्टअप प्लांट ऑर्बिट नाम से ऑनलाइन नर्सरी शुरू की। केवल 3 सालों में अपनी लगन और मेहनत से पढ़ाई के साथ साथ प्लांट ऑर्बिट ऑनलाइन नर्सरी के जरिए गगन ने अपना टर्नओवर 30 लाख पहुंचा दिया।

●प्लांट ऑर्बिट का टर्नओवर 30 लाख के करीब

वर्तमान में गगन उत्तर भारत सहित कई राज्यों में 200 प्रजातियों के पौधे प्लांट ऑर्बिट के माध्यम से अपने क्लाइंट तक पहुंचा रहे हैं। खबर पहाड़ से बात करते हुए गगन त्रिपाठी ने बताया कि शुरुआत में उनके सामने दिक्कतें जरूर आई, लेकिन धीरे-धीरे डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया का इस्तेमाल के साथ ही पेड़ पौधों के ज्ञान और लोगों तक सही दाम में पौधों की डिलीवरी ने उनके काम को तेजी के साथ आगे बढ़ाया।

गगन दावा करते हैं कि आज के दौर में इंडोर प्लांट्स सबसे सस्ते दामों में प्लांट ऑर्बिट ही दे सकता है। गगन के मुताबिक जैसे-जैसे काम बढ़ रहा है तो वह और भी लोगों को अपने इस रोजगार से जोड़ रहे हैं। प्लांट ऑर्बिट गूगल में भारत की टॉप फाइव कंपनियों में सर्चिंग रेंज में आने लगी है।

21 साल की उम्र में प्लांट ऑर्बिट को खड़ा करने वाले गगन का कहना है की पहली बार जब वह किसी सेमिनार में भाग लेने के लिए गए थे, तो वहां उन्हें इनडोर प्लांट्स तथा आउटडोर प्लांट्स के रेट के बारे में जानकारी मिली। जिसके बाद उन्होंने कई नर्सरी का विजिट किया। तो उन्हें लगा कि वह बेहद कम दाम में लोगों को पौधे उपलब्ध करा सकते हैं। लिहाजा आज के डिजिटल दौर में उन्होंने प्लांट ऑर्बिट की स्थापना की, जो आज बेहतर दिशा में चल रहा है। गगन का कहना है कि अगले 5 से 10 सालों में वह प्लांट ऑर्बिट को भारत का सबसे बड़ा ऑनलाइन प्लांट प्लेटफार्म बनाना चाहते हैं। और लोगों को सबसे कम दाम में पौधे उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता है।

राज्यपाल ने बंशीधर भगत को दिलाई प्रोटैम स्पीकर पद की शपथ

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने आज प्रातः १०.०० बजे राजभवन में विधान सभा के नव निर्वाचित वरिष्ठ सदस्य बंशीधर भगत को प्रोटैम स्पीकर के पद की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर कार्यवाहक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मुख्य सचिव डॉ एस एस संधू, प्रमुख सचिव आनंद वर्धन, राज्यपाल के सचिव डॉ रंजीत कुमार सिन्हा उपस्थित थे।

झंडे मेले में आई संगत से गुरुद्वारा साहिब की रिहाइस फुल

देहरादून (संवाददाता)। दरबार श्री गुरू राम राय में नये झंडे साहिब मेले के लिए देश-विदेश से आयी संगत के ठहरने की व्यवस्था में गुरुद्वारा श्री गुरू सिंह सभा में रिहाइस फुल हो गयी है। आज यहां दरबार श्री गुरु राम राय में २२ मार्च को नये झंडा साहिब चढ़ाये जायेंगे जिसके उपलक्ष्य में देश - विदेश की संगत देहरादून पहुंचनी आरम्भ हो गई है। जिसके चलते गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार की

रिहाइस फुल हो चुकी है। गुरुद्वारा प्रधान गुरबक्श सिंह राजन एवं जनरल सेक्रेटरी गुलजार सिंह ने बताया कि प्रबंधक कमेटी ने संगत के लिये रिहाइस, लंगर, चाय पानी आदि कि सुव्यवस्था की गई है। संगत के लिये तीनो टाईम लंगर, चाय पानी की व्यवस्था की गई है। गुरुद्वारा साहिब की रिहाइस, परिसर, पार्किंग स्थल बैसमेंट आदि सब फुल हो चुकें हैं, जहाँ जिसको जगह मिल रही है आराम कर रहे हैं। संगत को रहने की परेशानी ना हो गुरुद्वारा श्री गुरु नानक निवास, सुभाष रोड पर भी कमरे दिये गए हैं। गुरुद्वारा साहिब की होम्योपैथिक डिस्पेंसरी अपनी सेवाएं दे रही हैं। बाबा राम राय जी के समय की पुरातन हस्त लिखित बीड श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश संगत के दर्शनों के लिये किया जाता है।

धामी फिर बने सूबे के सरदार

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

नमंडल दल की बैठक में हाईकमान के फैसले पर मोहर लगवा कर पांचवी विधानसभा के लिए सरकार के गठन का रास्ता साफ कर लिया है।

नए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अब राज्य की नई सरकार 23 मार्च को शपथ ग्रहण के साथ अस्तित्व में आ जाएगी। नेता विधानमंडल दल के चुनाव के बाद आज ही सरकार गठन के लिए दावा पेश किया जा सकता है। स्थानीय परेड ग्राउंड में शपथ ग्रहण की तैयारियां जारी है। क्योंकि शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी के शिरकत करने की बात कही जा रही है।

किशोर ने गढ़वाली व रितु ने संस्कृत...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

विपक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि जनता ने हमें विपक्ष में बैठने का आदेश दिया है कांग्रेस सशक्त विपक्ष की भूमिका निभायेगी।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत, आठ घायल व दो लापता

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक ट्रक के खाई में गिर जाने से जहां दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वही आठ लोग घायल हुए है। ट्रक में 12 लोग सवार थे जिनमें से दो अन्य लापता बताये जा रहे है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर लापता लोगों की तलाश शुरू कर दी है। वहीं दुर्घटना के कारणों को अभी तक पता नहीं चल सका है।

जानकारी के अनुसार आज तड़के पुलिस व एसआरडीएफ टीम को सूचना मिली कि डामटा से नौगांव की तरफ रिखाऊ खड्ड के पास एक ट्रक खाई में जा गिरा है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। मौके पर दो लोगों की मौत हो गयी थी जबकि आठ अन्य गम्भीर रूप से घायल हुए है। जबकि दो लापता बताये जा रहे है। पुलिस व एसडीआरएफ की टीम द्वारा घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना में चार घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नौगाव में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रैफर कर दिया गया है। वहीं चार अन्य घायलों का इलाज अभी भी सामुदायिक केन्द्र में किया जा रहा है। दो लोगों के लापता होने की जानकारी मिली है। जिनकी खोजबीन जारी है। बताया जा रहा है कि मृतक घायल व लापता लोग सभी मजदूर है व रूड़की के रहने वाले है।

सेना के स्टोर से चोरी करने वाली दो महिलाएं माल के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सेना के स्टोर से चोरी करने वाली दो महिलाओं को चोरी की बैटरियों के साथ गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लेफ्टिनेंट कर्नल अनुभव सिन्हा कमांडिग ऑफिसर तीन कम्पनी उत्तरी भारत एरिया सिग्नल रेजीमेंट ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि उनके स्टोर से चोरों ने कुछ बैटरियां चोरी कर ली हैं। जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आज पुलिस ने चेरी ग्राउण्ड तिराहा डाकरा बाजार से दो महिलाओं को चोरी की आठ बैटरियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मंतुलि पत्नी पवित्र साहनी व विमला देवी पत्नी दुकरण साहनी दोनों निवासी भाटडा मौहल्ला कांवली रोड बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दून में होने लगी है ऐतिहासिक झंडे मेले की तैयारियां

विशेष संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में लगने वाले ऐतिहासिक झंडे मेले की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। बीते दो वर्षों में कोरोना के चलते यह मेला नहीं लग पाया था। इस मेले में विश्व भर के साथ ही भारत के कोने-कोने से श्रद्धालु माथा टेकने आते हैं और दरबार साहिब का आशीर्वाद लेते हैं। श्री गुरु राम राय जी महाराज व श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज के जयकारों के साथ 90 फीट ऊंचे नए ध्वजदण्ड (नए श्री झण्डे जी) को बीते शनिवार को श्री दरबार साहिब लाया गया। इस

पावन बेला का साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से हजारों की संख्या में संगत शुक्रवार देर शाम तक श्री दरबार साहिब, देहरादून पहुंच गई थी। कोरोना महामारी का असर कम होते ही अब यह मेला 22 मार्च से अपने पूर्ण स्वरूप में लगने जा रहा है जो रामनवमी तक चलेगा। बताया जा रहा है कि इस बार पूरे विश्व से एनआरआई के साथ-साथ देश के कोने कोने से संगतों का आना शुरू हो गया है जिसके लिए दरबार साहब की तरफ से उनके ठहरने और भोजन की व्यवस्था की जा रही है। झंडा साहब के लिए दर्शनीय गिलाफ भक्तों द्वारा चढ़ाया जाता है जिसके लिए वर्षों लग जाते हैं। दरबार प्रबंधन के अनुसार अगले 100 वर्षों तक के लिए यह बुकिंग पूरी हो चुकी है।

डॉ. पवन शर्मा ने लिया देहदान का संकल्प

संवाददाता

देहरादून। प्रख्यात मनौवैज्ञानिक डा० पवन शर्मा ने दून मेडिकल कालेज के एनाटीमों विभाग में अपनी देहदान करने का संकल्प लिया।

आज यहां प्रख्यात मनोवैज्ञानिक और समाजसेवी डॉ. पवन शर्मा ने दून मेडिकल कॉलेज के एनाटोमी विभाग में अपनी देहदान करने का संकल्प लिया। डॉ. पवन शर्मा सालों से मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं, उन्होंने देश विदेश के कई लोगों को मानसिक विकारों से बचा कर एक स्वस्थ जीवन जीने में मदद करी है। डॉ. पवन शर्मा समय समय पर रक्तदान करके भी जरूरतमंदों की मदद करते रहे हैं। उनका मानना है कि एक व्यक्ति द्वारा अंगदान करके जरूरत मंद लोगों की मदद कर सकता है, इसीलिए उन्होंने इस बात का एक उदाहरण पेश करते हुए आज अपने देहदान का संकल्प पत्र भरा। समाजसेवा करने की प्रेरणा उन्हें अपने माता पिता से मिली थी। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन किसी दूसरे मनुष्य के काम आना है। इसी कड़ी मे उन्होने फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसायटी की स्थापना की, जो कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए कार्य करने वाली एक अग्रणी और विश्वसनीय संस्था है। १४ वर्ष से अधिक का कोई भी व्यक्ति इस संस्था के द्वारा निःशुल्क कार्उसिलिंग और थेरपी प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर भूमिका भट्ट शर्मा, एडवोकेट कुलदीप भारद्वाज, पीयूष कुमार, नूतन कुमार उपस्थित थे।

एक नजर

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को लौटाई 29 दुर्लभ मूर्तियां

नई दिल्ली । पीएम मोदी ने आज उन २६ पुरावशेषों का निरीक्षण किया जिन्हें ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत वापस लाया गया है। पीएमओ ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि ये मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार की सामग्री – बलुआ पत्थर, संगमरमर, कांस्य, पीतल, कागज में निष्पादित मूर्तियां और पेंटिंग हैं। भारत में एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए प्राचीन वस्तुएं राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल से हैं। बता दें कि ये पुरावशेष अलग–अलग समय अवधि से आते हैं, जो ६–१० शताब्दी ईस्वी पूर्व के हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरिसन आज यानी सोमवार को एक डिजिटल शिखर बैठक करेंगे, जिसमें व्यापार एवं निवेश के क्षेत्रों सहित दोनों पक्षों के बीच संपूर्ण व्यापक रणनीतिक संबंधों को और आगे बढ़ाने की उम्मीद है। मोदी और मॉरिसन के बीच जून २०२० में हुई पहली डिजिटल शिखर बैठक के बाद सोमवार को बैठक होने वाली है। उस वक्त भारत–आस्ट्रेलिया संबंध को श्व्यापक रणनीतिक साझेदारीश के स्तर तक ले जाया गया था।

ममता सरकार ने स्कूलों के लिए तय किया नया ड्रेस कोड

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल सरकार राज्य के सरकारी स्कूलों में एक नया ड्रेस कोड लागू करने जा रही है। जानकारी के मुताबिक बंगाल में सभी सरकारी, अर्ध–सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के स्टूडेंट्स की ड्रेस नीले और सफेद रंग की होगी। नए ड्रेस कोड में बंगाल सरकार का शबिस्वा बांग्लाश लोगो भी होगा। इसका डिजाइन खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया था। एक सरकारी आदेश के अनुसार राज्य के एमएसएमई विभाग की ओर से नई यूनिफॉर्म की आपूर्ति की जाएगी। बता दें कि प्री–प्राइमरी से कक्षा ८ तक के लड़कों के लिए सफेद शर्ट और नेवी ब्लू पैंट और लड़कियों के लिए नेवी ब्लू फ्रॉक और सलवार कमीज के साथ सफेद शर्ट ड्रेस कोड तय किया गया है। इसके साथ ही हर ड्रेस की जेब पर बिस्वा बांग्ला का लोगो लगा होगा। यहां तक घ्कि राज्य सरकार की ओर से छात्रों को दिए जा रहे स्कूल बैग पर भी बिस्वा बांग्ला का लोगो होगा। सरकारी आदेश में कहा गया है कि प्री–प्राइमरी से कक्षा ८ तक के लड़कों को १ हाफ पैंट और १ फुल शर्ट मिलेगी। प्री–प्राइमरी से दूसरी कक्षा तक की लड़कियों को शर्ट और ट्यूनिक फ्रॉक के दो सेट मिलेंगे।

दिल्ली से दोहा जा रही फ्लाइट में आई खराबी, कराची में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। कतर एयरवेज़ के दिल्ली से दोहा जा रहे विमान के कार्गो होल्ड में से धुआं निकलने के संकेत के बाद, उसे सोमवार को कराची में आपात स्थिति में उतारा गया। विमान कम्पनी ने यह जानकारी दी। विमान कम्पनी ने एक बयान में बताया कि विमान कराची में सुरक्षित उतर गया है, जहां आपात सेवाएं उसकी जांच कर रही हैं। सभी यात्रियों को सीढ़ियों के जरिए विमान से उतार दिया गया है। कम्पनी ने कहा कि घटना की जांच जारी है और यात्रियों को दोहा तक पहुंचाने के लिए राहत उड़ान की व्यवस्था की जा रही है। एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार एक कार्डियोलॉजिस्ट ने ट्वीट कर इस स्थिति की शिकायत की। डॉ. समीर गुप्ता ने ट्वीट किया कि क्यूआर५७६ की स्थिति क्या है – दिल्ली–दोहा फ्लाइट को कराची की ओर डायवर्ट किया गया? कोई जानकारी नहीं दी जा रही है, यात्रियों को कोई भोजन या पानी नहीं दिया जा रहा है। कस्टमर केयर को पता नहीं है। कृपया मदद करें। वहीं, एक अन्य यात्री रमेश रालिया ने लिखा कि कई लोगों की दोहा से कनेक्टिंग फ्लाइट है लेकिन उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है कि विमान कराची से कब उड़ान भरेगा।

लकीर पर लाठियां भांजने में जुटी कांग्रेस

विशेष संवाददाता

देहरादून। जो होना था हो चुका है अब न पछताने से कुछ हो सकता है और न आरोप–प्रत्यारोपों से कुछ बदलने वाला है। कांग्रेस नेता अब जो चुनावी हार के कारण तलाशने के लिए चिंतन बैठक कर रहे हैं वह सांप निकल जाने के बाद लकीर को पीटने जैसा ही है। इस चिंतन मंथन से क्या अमृत निकल सकेगा जो मृतप्राय कांग्रेस को नवजीवन दे पाएगा यह एक अहम सवाल है।

कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक अविनाश पांडे और प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव दून पहुंच चुके हैं तथा राजीव गांधी भवन में वह बारी–बारी से कांग्रेस प्रत्याशियों से हार के कारणों पर विस्तार से चर्चा कर रहे हैं। आज शुरू हुई इस बैठक में उनके द्वारा सभी प्रत्याशियों से क्षेत्रवार चर्चा की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस हार के बाद कोई संगठन की गुटबाजी पर सवाल उठा रहा था तो कोई टिकट

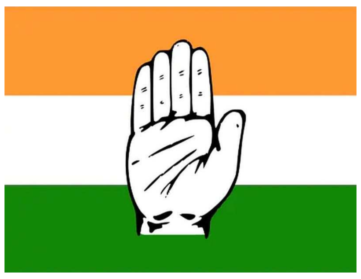

❑अविनाश पाडे ने प्रत्याशियों से की चर्चा

❑भीतरघात व गुटबाजी का कारण भी आया सामने

बंटवारे में धांधली और टिकट बेचने की बात कर रहा था तो कोई भितरघात को हार का कारण बता रहा था। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अब अविनाश पांडे को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा है जो इन आरोपों की सत्यता की जांच इन सभी प्रत्याशियों से मिलकर कर रहे हैं। जिससे यह पता लगाया जा सके कि जब जनता बदलाव चाहती थी और राज्य में मुख्यमंत्री बदले जाने तथा निर्वतमान सरकार द्वारा संतोषजनक काम न किए जाने के कारण हवा कांग्रेस के पक्ष में दिखाई दे रही थी तो फिर पार्टी की हार क्यों हुई? आरोप–प्रत्यारोप लगाने वालों को अब पर्यवेक्षक के सामने अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया जा रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ज्यादातर प्रत्याशी इस हार के पीछे शीर्ष नेतृत्व के गलत फैसलों उनकी मनमानी और पार्टी के अंतर कलह को जिम्मेदार मानते हैं। यही नहीं कुछ प्रत्याशियों ने संगठन पर असहयोग तथा प्रचार व्यवस्था की कमजोरी को भी हार का कारण माना है। प्रत्याशियों द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों को सुनने के बाद कल पर्यवेक्षक और प्रभारी की एक बैठक पूर्व सीएम हरीश रावत, प्रीतम सिंह और गणेश गोदियाल के साथ भी होनी है जिसके आधार पर वह सोनिया गांधी को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।

डम्पर की चपेट में आकर बहन की मौत, भाई गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। साइकिल से ट्यूशन जा रहे भाई बहन को तेज रफ्तार डम्पर द्वारा टक्कर मार दिये जाने से दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान बहन की मौत हो गयी वहीं भाई की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार लालकुआं के पुरानाखत्ता क्षेत्र को जाने वाली सड़क पर आज सुबह साइकिल से ट्यूशन जा रहे भाई बहन को तेज रफ्तार डम्पर द्वारा टक्कर मार दी गयी। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान बहन की मौत हो गयी वहीं उसके भाई की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि आज सुबह लगभग साढ़े नौ बजे राजीवनगर प्रथम निवासी आईटीबीपी के जवान देवेंद्र सिंह बिष्ट की 6 वर्षीय बेटी चाहत बिष्ट (रिंकी) अपने बड़े भाई 11 वर्षीय दिव्यांशु के साथ साइकिल द्वारा ट्यूशन पढ़ने जा रही थी, तभी काररोड क्षेत्र से आ रहे तेज गति के डंपर ने साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे बालिका रिंकी एवं उसका भाई दिव्यांशु गम्भीर रूप से घायल हो गये। सड़क हादसे को देखते हुए स्थानीय लोगों द्वारा दोनो को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान घायल बालिका ने दम तोड़ दिया है। जबकि दिव्यांशु का उपचार किया जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि गांव में बेतरतीब चल रहे डंपर एवं ट्रकों पर लगाम लगाई जाए। घटना से जहां परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी है।

महिला ने स्कूल पहुंचकर किया ड्रामा, शिक्षिका से मारपीट मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। टीचर्स पर अपने पति के साथ सम्बन्ध का आरोप लगाते हुए हंगामा व मारपीट करने वाली महिला के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 फरवरी को हुई इस शर्मनाक घटना से आहत महिला टीचर्स ने ऋषिकेश थाने में स्कूल में आकर बेइज्जत करने और मारपीट करने वाली महिला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर के मुताबिक घटना राजकीय बालिका इंटर कॉलेज ऋषिकेश में हुई। 25 फरवरी को सुबह पौने ग्यारह बजे मीता सब्बरवाल अपने पति राजू सब्बरवाल के साथ विद्यालय में आई और एक क्लास रूम में घुसकर वहां स्टूडेंट्स को पढ़ा रही महिला टीचर्स को बिना पूछे–ताछे सीधे दो थप्पड़ मारे । कक्षा के अन्दर बोलने लगी कि ये मैडम मेरे पति के साथ घूमती है तथा इसके मेरे पति के साथ चक्कर है और ये सब बातें मुझे इसके पति ने बताई। स्कूल में मौजूद अन्य टीचर्स ने मीता सब्बरवाल को महिला टीचर्स के बारे में बताया कि वह तो शादी–शुदा ही नहीं है, उसका पति आपको ये सब कैसे बता सकता है। थोड़ी देर बाद मीता सब्बरवाल महिला टीचर्स के पैरों मे पड़कर माफी मांगने लगी। लेकिन उसके इस कृत्य से महिला टीचर्स की सरेआम बहुत बदनामी हुई और मानसिक आघात पहुंचा। विद्यालय परिसर में आकर इस प्रकार बेइज्जती से आहत टीचर्स ने मनोबल जुटाकर एफआईआर दर्ज करा दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी के ट्रेक्टर ट्राली के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की ट्रेक्टर ट्राली के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर निवासी सुनील कुमार ने सहसपुर थाने में जवाहर नवोदय विद्यालय से अपने ट्रेक्टर ट्राली चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरें खंगाले तो पता चला कि घटना के समय एक स्वीफ्ट कार भी वहां पर मौजूद थी तथा वह ट्रेक्टर ट्राली के साथ ही हरिद्वार की तरफ गयी थी। जिसके बाद पुलिस ने रास्ते के सारे सीसीटीवी कैमरें खंगालने के बाद आज पुलिस ने प्रकाश में आयी कार के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी निशानदेही पर ट्रेक्टर ट्राली बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम आसिफ पुत्र नसीर अहमद व आमिर उर्फ छोटा पुत्र रईश अहमद निवासी नसीरपुर शेख थाना हमीरपुर बिजनौर बताया। उन्होने बताया कि वह नवोदय विद्यालय में टीन शेड लगाने का काम कर रहे थे तभी उनको वहां पर एक ट्रेक्टर ट्राली खडी दिखायी दी जिसको चोरी करने की उन्होंने योजना बनायी तथा होली वाले दिन मौका पाकर वह ट्रेक्टर ट्राली को चोरी कर ले गये।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।